7.12.18 (E)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 7007 **IC**

Unique Paper Code : 62051103

Name of the Paper : Hindi 'B'

Name of the Course : **B.A. (Prog.) CBCS**

Semester : I

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 75

munotes.in

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (10 + 10 + 10 = 30)

(क) पोथी पढ़ि-पढ़ि जग मुवा, पंडित भया न कोइ
ढाई आखर प्रेम का, पढ़ै सो पंडित होइ ।।

अथवा

रथ हाँकेउ हय राम तन हेरि-हेरि हिहिनाहिं

देखि निषाद बिषादबस धुनहिं सीस पछिताहिं ।।

(ख) सजि चतुरंग-सैन अंग में उमंग धारि, सरजा सिवाजी जंग जीतन चलत हैं

भूषन भनत नाद-विहद नगारन के, नदी नद मद गैबरन के रलत हैं ।

ऐल फैल खैल भैल खलक में गैल-गैल, गजन की ठैलपैल सैल उसलत हैं ।

तारा सो तरनि धूरि - धारा में लगत जिमि, धारा पर पारा पाराबार यों हलत हैं ।।

अथवा

बतरस-लालच लाल की मुरली धरी लुकाइ ।
सौंह करैं भौंहन हंसै, दैन कहैं नटि जाइ ।।

(ग) यह मेरी गोदी की शोभा, सुख सुहाग की है लाली

शाही शान भिखारिन की है, मनोकामना मतवाली ।

अथवा

काट अन्ध-उर के बन्धन-स्तर

बहा जननि, ज्योतिर्मय निर्झर

कलुष-भेद तम हर प्रकाश भर

जगमग जग कर दे ।।

2. तुलसीदास **अथवा** कबीर की रचनाओं के काव्य-सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए । (10)

3. बिहारी **अथवा** भूषण के काव्य का प्रतिपाद्य लिखिए । (10)

4. 'बालिका का परिचय' **अथवा** 'वर दे वीणावादिनी' कविता के साहित्यिक सौंदर्य पर प्रकाश डालिए । (10)

5. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए : (5)

(i) हिंदी भाषा का उद्भव ;

(ii) अवधी ।

6. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (5+5=10)

(क) भक्तिकाल ;

munotes.in

(ख) भारतेन्दु युग ;

(ग) प्रगतिवाद ;

(घ) छायावाद ।

munotes.in